इस्पात और खान मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शाहनवाज खां) : (क) 23 दिसम्बर, 1971 को बहुत प्रात: दुर्गापुर के मिश्र-इस्पात कारखाने से स्प्रिंग इस्पात के 22 बिलेट, जिनका वजन लगभग 4 टन था, चोरी हो गये थे।

(ख) चुराये गये बिलेटों की अनुमानित कीमत लगभग 44770/- रुपये थी। पुलिस ने अधिकाश माल तथा वह ट्रक जिसमे चोरी का माल ले जाया गया था अगले दिन बरामद कर लिया था और अब ये पुलिस के कब्जे मे है। खुफिया पुलिस विभाग मामले की जाच कर रहा है।

झांसी, साबरकांठा और कोजीकोड़ में तांबा, निकल और लोहे के निक्षेप

7460. **श्री शिव कुमार शास्त्री** : क्या **इस्पात और खान** मत्री यह बताने की कृपा करेगे कि :

(क) क्या झासी, साबरकाठा और कोजीकोडा मे ताबे, निकल और लोहे के कुछ खनिज भडारों का पता चला है ;

(ख) यदि हा, तो कहा किस धातु की कितनी मात्रा है और सरकार उन्हे प्राप्त करने के लिए कब से सक्रिय पग उठा रही है ; और

(ग) इन धातुओ की प्राप्ति से किस-किस काम मे सुविधा प्राप्त होगी और क्या उसमे भावो की स्थिति मे भी कुछ परिवर्तन आने की सम्भावना है ?

इस्पात और खान मंत्रालय में राज्य मन्त्री (श्री शाहनवाज खां) : (क) और (ख). भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा झासी और साबरकाथा जिलो मे ताम्र और निकल अयस्क के कोई भी कार्ययोग्य निक्षेप अवस्थापित नही किए गए है। कोजिकोड जिले मे चेरुप्पा, इलेयट्टिमाला, नान्मिन्दा और नाडुवल्लुर के चार निक्षेपों में आक्सीकृत और अनाक्सीकृत लौह अयस्क की कुल 452 लाख टन उपलभ्य राशिया अनुमानित की गई हैं जिसमें कुल 29 से 40% तक लौहांश की विद्यमानता है। कोजिकोड जिले के आलमपारा क्षेत्र में अन्वेषण प्रगति पर है।

कोजिकोड लौह अयस्क निक्षेपों के प्रारम्भिक अन्वेषण 1965-66 में किए गए थे जबकि गहन अन्वेषण 1968 मे किए गए थे। उत्तर प्रदेश सरकार झासी में सोनाराई क्षेत्र में 1967-68 से ताम्र खनिजीकरण के समन्वेषण मे विनियुक्त है, किन्तु अभी तक प्रतिवेदित परिणाम हतोत्साही है। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने साबरकाथा के दढालिया क्षेत्र में 1967 से 1971 के दौरान ताम्र/निकल खनिजीकरण समन्वेषित किया है।

(ग) साबरकाथा और झासी जिलों में अयस्क के उपयोजन का प्रश्न नही उठता है। जहा तक कोजिकोड जिले के लौह अयस्क निक्षेपों का सम्बन्ध है किसी प्रकार के विनिधान प्रस्ताव पर निश्चित दृष्टिकोण तभी अपनाया जा सकता है जब समस्त पाच क्षेत्रों में भूवैज्ञानिक अन्वेषण सम्पूरित हो जाए और उनके बारे मे सरकार को रिपोर्ट प्राप्त हो जाए।

Purchase of Refractories by Refractories Department of Rourkela Steel Plant

7461. SHRI GAJADHAR MAJHI : Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state :

(a) whether Refractories bricks stock are heavily piled up and in the absence of further storage facilities the Refractories Department of Rourkela Steel Plant are still placing indents for purchase of refractories ; and

(b) if so, the reasons therefor ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF STEEL AND MINES (SHRI SHAHNAWAZ KHAN) : (a) and (b). The information is being collected and will be laid on the Table of the House.